Haathon Haath Phoophi Se Sulh Kar Li (Hindi)

हाथों हाथ फूफी से सुल्ह़ कर ली

मअ़ रिश्तेदारों के साथ अच्छे सुलूक के फ़ज़ाइल

शैख़े त़रीक़त, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा'वते इस्लामी, ह़ज़रते अ़ल्लामा मौलाना अबू बिलाल

मुह़म्मद इल्यास अ़त़्त़ार क़ादिरी र-ज़वी دامت برکاتہم العالیہ

तआ़वुन) को जारी फ़रमा दिया। इस आयत से मा'लूम हुवा कि जो शख़्स किसी काम पर **क़सम** खाए फिर मा'लूम हो कि उस का करना ही बेहतर है तो चाहिये कि उस काम को करे और **क़सम का कफ़्फ़ारा** दे, ह़दीसे सह़ीह़ में येही वारिद है। मज़ीद फ़रमाते हैं : इस आयत से ह़ज़रते सिद्दीक़े अक्बर رَضِیَ اللّٰہُ تَعَالٰی عَنْہُ की फ़ज़ीलत साबित हुई, इस से आप की उ़लुव्वे शानो मर्तबत (या'नी रुत्बे की अ़-ज़मत) ज़ाहिर होती है कि **अल्लाह तआ़ला** ने आप (رَضِیَ اللّٰہُ تَعَالٰی عَنْہُ) को (आयते क़ुरआनी में) **اُولُوالْفَضْل** (या'नी फ़ज़ीलत वाला इर्शाद) फ़रमाया। (ख़ज़ाइनुल इ़रफ़ान, स. 563)

अल्लाह عَزَّوَجَلَّ की उन पर रह़मत हो और उन के सदक़े हमारी बे ह़िसाब मग़्फ़िरत हो। اٰمِین بِجَاہِ النَّبِیِّ الْاَمِین صَلَّی اللّٰہ تعالٰی علیہ واٰلہٖ وسلَّم

बयां हो किस ज़बां से मर्तबा सिद्दीक़े अक्बर का
है यारे ग़ार महबूबे ख़ुदा सिद्दीक़े अक्बर का
मक़ामे ख़्वाबे राह़त चैन से आराम करने को
बना पहलूए महबूबे ख़ुदा सिद्दीक़े अक्बर का

(ज़ौक़े ना'त)

صَلُّوا عَلَی الْحَبِیب ! صَلَّی اللّٰہُ تَعَالٰی عَلٰی مُحَمَّد

येह रिसाला पढ़ कर दूसरे को दे दीजिये

शादी ग़मी की तक़रीबात, इज्तिमाआ़त, आ'रास और जुलूसे मीलाद वग़ैरा में **मक-त-बतुल मदीना** के शाएअ़ कर्दा रसाइल और म-दनी फूलों पर मुश्तमिल पेम्फ़लेट तक़्सीम कर के सवाब कमाइये, गाहकों को ब निय्यते सवाब तोह़फ़े में देने के लिये अपनी दुकानों पर भी रसाइल रखने का मा'मूल बनाइये, अख़्बार फ़रोशों या बच्चों के ज़रीए अपने मह़ल्ले के घर घर में माहाना कम अज़ कम एक अ़दद सुन्नतों भरा रिसाला या म-दनी फूलों का पेम्फ़लेट पहुंचा कर नेकी की दा'वत की धूमें मचाइये और ख़ूब सवाब कमाइये।

ग़मे मदीना, बक़ीअ़, मग़्फ़िरत और बे ह़िसाब जन्नतुल फ़िरदौस में आक़ा के पड़ोस का त़ालिब

16 मुह़र्रमुल ह़राम 1436 सि.हि.
10-11-2014

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعٰلَمِيْنَ وَالصَّلٰوةُ وَالسَّلَامُ عَلٰى سَيِّدِ الْمُرْسَلِيْنَ اَمَّا بَعْدُ فَاَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنَ الشَّيْطٰنِ الرَّجِيْمِ بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ

तंगदस्ती से बचने का नुस्ख़ा और जन्नत का ख़ज़ाना

दो फ़रामीने मुस्तफ़ा صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم :

﴿1﴾ कोई घर वाले ऐसे नहीं कि आपस में सिलए रेह़मी (या'नी रिश्तेदारों के साथ अच्छा बरताव) करें फिर मोह़ताज (या'नी तंगदस्त) हो जाएं[1] ﴿2﴾ चार चीज़ें जन्नत के ख़ज़ानों में से हैं : स-दक़ा छुपा कर देना, मुसीबत छुपाना, सिलए रेह़मी करना और لَاحَوْلَ وَلَاقُوَّةَ اِلَّا بِاللّٰه कहना।[2]

١: الاحسان بترتيب صحيح ابن حِبّان ج١ص٣٣٣حديث٤٤١

٢: تاريخ بغداد ج٣ص٤٠٤

मक-त-बतुल मदीना®

दा'वते इस्लामी

फ़ैज़ाने मदीना, त्री कोनिया बग़ीचे के सामने, मिरज़ापूर, अहमदआबाद-1, गुजरात, इन्डिया

Mo.091 93271 68200 E-mail : maktabaahmedabad@gmail.com www.dawateislami.net